राज्य में मृदा

❑ रेतीली/बलुई मिट्टी

✓ शुष्क प्रदेश के जैसलमेर, बाड़मेर, बालोतरा, जोधपुर ग्रामीण, फलौदी, बीकानेर, नागौर, डीडवाना-कुचामन, चुरू, झुंझुनूँ।

✓ मोटा कण, नमी धारण की निम्न क्षमता।

✓ नाइट्रोजनी एवं कार्बनिक लवणों की अल्पता तथा केल्सियम लवणों की अधिकता।

✓ खरीफ की बाजरा, मोठ तथा मूँग की फसल हेतु उपयुक्त।

❑ लाल दोमट मिट्टी

✓ उदयपुर, सलूम्बर, डूंगरपुर, बाँसवाड़ा तथा चित्तौड़गढ़।

✓ बारीक कण, नमी धारण की अद्भुत क्षमता।

✓ नाइट्रोजन, फस्फोरस एवं कैल्शियम लवणों की अल्पता तथा पोटाश एवं लौह तत्वों की अधिकता मक्का की फसल हेतु उपयुक्त।

राज्य में मृदा

❑ काली मिट्टी

✓ राज्य के दक्षिणी-पूर्वी भाग कोटा, बूँदी, बाराँ एवं झालावाड़।

✓ बारीक कण, नमी धारण की उच्च क्षमता।

✓ फॉस्फेट, नाइट्रोजन एवं जैविक पदार्थों की अल्पता तथा कैल्शियम एवं पोटाश की पर्याप्तता ।

✓ कपास व नकदी फसलों हेतु उपयुक्त ।

❑ मिश्रित लाल काली मिट्टी

✓ उदयपुर, सलूम्बर, चित्तौड़गढ़, डूंगरपुर, बाँसवाड़ा, भीलवाड़ा एवं शाहपुरा

✓ फॉस्फेट, नाइट्रोजन, कैल्शियम तथा कार्बनिक पदार्थों की अल्पता ।

✓ कपास तथा मक्का की फसल हेतु उपयुक्त।

❑ मिश्रित लाल पीली मिट्टी

✓ सवाईमाधोपुर, भीलवाड़ा, अजमेर, केकड़ी, ब्यावर, सिरोही।

✓ नाइट्रोजन, कैल्शियम एवं कार्बनिक यौगिकों की अल्पता तथा लौह ऑक्साइड्स की बहुलता।

राज्य में मृदा

❑ पर्वतीय मिट्टी

✓ अरावली की उपत्यका में सिरोही, उदयपुर, पाली, अजमेर, केकड़ी, ब्यावर, अलवर व खैरथल-तिजारा जिलों के पहाड़ी भागों में।

✓ मिट्टी की गहराई कम होने के कारण खेती के लिए अनुपयुक्त।

❑ भूरी मिट्टी

✓ भीलवाड़ा, अजमेर, टोंक, सवाईमाधोपुर।

✓ नाइट्रोजनी एवं फॉस्फोरस तत्वों का अभाव।

✓ बनास के प्रवाह क्षेत्र की मृदा।

✓ कृषि के लिये उपयुक्त।

❑ सीरोजम मिट्टी या धूसर मरुस्थलीय मिट्टी

✓ अरावली के पश्चिम में बांगड़ प्रदेश में पाली, नागौर, डीडवाना-कुचामन, जालौर।

✓ रंग पीला भूरा। उर्वरा शक्ति की कमी।

✓ नाइट्रोजन व कार्बनिक पदार्थों की कमी।

राज्य में मृदा

❑ जलोढ़/कछारी मिट्टी

✓ (नदियों द्वारा बहाकर लाई गई मिट्टी)

✓ अलवर, खैरथल-तिजारा, भरतपुर, डीग, धौलपुर, जयपुर ग्रामीण, कोटपूतली- बहरोड़, टोंक, सवाईमाधोपुर, कोटा, बूँदी।

✓ फॉस्फेट एवं कैल्शियम तत्वों की अल्पता तथा नाइट्रोजन तत्वों की बहुलता।

✓ जलधारण की पर्याप्त क्षमता व अत्यधिक उपजाऊ।

✓ गेहूँ, चावल, कपास तथा तम्बाकू के लिये उपयुक्त।

❑ लवणीय मिट्टी

✓ गंगानगर, अनूपगढ़, बीकानेर, बाड़मेर, बालोतरा, सांचौर व जालौर।

✓ क्षारीय व लवणीय तत्वों की अधिकता के कारण अनुपजाऊ।

✓ प्राकृतिक रूप से निम्न भू-भागों में उपलब्ध ।

राजस्थान की हर प्रतियोगी परीक्षा हेतु उपयोगी

❖ राजस्थान सामान्य ज्ञान के नोट्स डाउनलोड करने के लिए नीचे दिए गए इमेज पर क्लिक करें --

❖ राजस्थान की विभिन्न भर्ती परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण नोट्स Free डाउनलोड :-

❖ राजस्थान कला एवं संस्कृति, भूगोल, इतिहास सभी के नोट्स Free डाउनलोड करने का एकमात्र Google वेबसाइट :- ***Rajasthanclasses.in***

अन्य किसी भी प्रकार की PDF's के लिए
गूगल सर्च करें या क्लिक करें 👇
Google
rajasthanclasses.in

Telegram
चैनल
ज्वॉइन करें

YouTube पर
ऑनलाइन क्लासेज भी देखें

पशु परिचर 2024
सिलेबस/PDF
Just Click Now

CET : BSTC : PTET : LDC
पशु परिचर 2024
(शॉर्ट नोट्स PDF)
नवीनतम राजस्थान GK
(जलवायु प्रदेश नोट्स)
(कौनसा जिला किस प्रदेश में - नवीनतम)
(कोपेन, थार्नवेट, ट्रिवार्थी के वर्गीकरण)
PDF

नया राजस्थान GK
पशु परिचर 2024
Just Touch Now

CET : BSTC : PTET : LDC
पशु परिचर 2024
नवीनतम राजस्थान GK
(पुरातात्विक स्थल नोट्स)
(नवीनतम GK नोट्स PDF)

राजस्थान क्लासेज
लेटेस्ट पोस्ट/न्यूज
Just Click Now

पशु परिचर परीक्षा 2024
15+ मॉडल पेपर
राजस्थान क्लासेज
Free Download
PDF
Adobe

पशु परिचर परीक्षा 2024
राजस्थान क्लासेज
BSTC : PTET : CET : LDC
नया राजस्थान GK
(प्रमुख झीलें नोट्स)
(शानदार नोट्स)
Free Download
PDF
Adobe

पशु परिचर
(Animal Attendant)
भाग - (ब)
पशुपालन हस्तलिखित नोट्स
(अधिकतम- 45 अंक)
मात्र 21/- रू.
पशु परिचर बनाने वाले नोट्स
आदर्श कुमावत सर

100%
तैयारी सलेक्शन की
पशु परिचर भर्ती
पशुपालन
सामान्य जानकारी
444 प्रश्न ई बुक

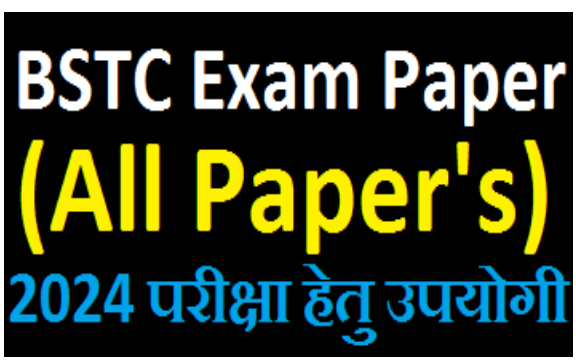
BSTC Exam Paper
(All Paper's)
2024 परीक्षा हेतु उपयोगी